पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-VI

Hindi

Specimen copy

Year- 2020-21

पाठ-4 चाँद से थोड़ी-सी गप्पें (कविता)

(लेखक-श्री शमशेर बहादुर सिंह)

शब्दार्थ-

1) गोरा-चिटटा-बहुत सफ़ेद
2) पोशाक- वेशभूषा
3) गोकि-चूँकि
4) निरा-एकदम
5) दम लेना-विश्राम करना
6) गोल हो जाना-गायब हो जाना
7) मरज़-रोग ,बीमारी

अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) कविता के कवि का नाम लिखिए।

उ-श्री शमशेर बहादुर सिंह।

2) कौन गोल होकर भी तिरछा नज़र आता है?

उ- चाँद गोल होकर भी तिरछा नज़र आता है।

3) कौन क्या पहने हुए है?

उ- चाँद कुल आकाश पहने हुए है।

4) चाँद का मुँह कैसा है?

उ-चाँद का मुँह गोरा-चिटठा है।

5) किसको पोशाक कहाँ फैली है?

उ- चाँद की पोशाक चारों सिम्त में फैली हई है।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

१- कविता में "आप पहने हुए हैं कुल आकाश "कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उत्तरः- कवितामें "आप पहने हुए हैं कुल आकाश" कह कर लड़की कहना चाहती है कि चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।

२- "यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।"**इस कविता दवारा कवि क्या कहान चाहते हैं?**

उ-कवि यह कहना चाहता है कि चाँद को कोई बीमारी हैजो कि अच्छा होता हुआ प्रतीत नहीं होता क्योंकि जब ये घटते हैं तो केवल घटते ही चले जाते हैं और जब बढ़ते हैं तो बिना रूके दिन प्रतिदिन निरन्तर बढ़ते ही चले जाते हैं। तब-तक, जब-तक ये पूरे गोल न हो जाए। कवि की नज़र में ये सामान्य क्रिया नहीं है।

३-"हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उत्तरः- "हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की कहना चाहती है कि उसे पता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो ठीक होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीमारी के कारण कभी वे घटते जाते हैं तो कभी बढ़ते-बढ़ते इतने बढ़ते है कि पूरे गोल हो जाते हैं।

व्याकरण

सर्वनाम

जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है उन्हें सर्वनाम कहते हैं ।
उदाहरण : मैं, तू, आप, स्वयं, यह, वह, जो, कोई, कुछ, कौन, क्या ।

सर्वनाम के भेदः

१- पुरुषवाचक सर्वनाम
२- निजवाचक सर्वनाम
३- निश्चयवाचक सर्वनाम
४- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
५- सम्बन्धवाचक सर्वनाम
६- प्रश्नवाचक सर्वनाम

१- पुरुषवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के स्थान पर किया जाता है उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं । जैसे - मैं, तुम, हम, आप, वे ।

२-निजवाचक सर्वनाम-

जो सर्वनाम शब्द करता के स्वयं के लिए प्रयुक्त होते हैं उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे :स्वयं, आपही, खुद, अपनेआप।

उदाहरणः

- तुम स्वयं यह कार्य करो।
- मैं अपने कपडे स्वयं धो लूँगा।
- मैं वहां अपने आप चला जाऊंगा।

३- निश्चयवाचक सर्वनाम-

- जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे : यह, वह, ये, वे।

उदाहरण-

- वह एक लड़का है।
- वे इधर ही आ रहे हैं।

- यह कार मेरी है।

४- अनिश्चयवाचक सर्वनाम-

जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता है उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं ।

उदाहरण :

- लस्सी में कुछ पड़ा है ।
- भिखारी को कुछ दे दो।
- मुझे कोई नज़र आ रहा है।

५- सम्बन्धवाचक सर्वनाम-

जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से सम्बन्ध ज्ञात होता है।

उदाहरण :

- जहाँ चाह वहाँ राह ।
- जैसा बोओगे वैसा काटोगे।
- जैसी करनी वैसी भरनी।

६-प्रश्नवाचक सर्वनाम-

जिन सर्वनाम से वाक्य में प्रश्न का बोध होता है उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं ।
उदाहरण :

- रमेश क्या खा रहा है?
- कमरे मैं कौन बैठा है?

लेखन-भाग

आपकी खोई हुई पुस्तक किसी अपरिचित द्वारा लौटाए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए।

२३, जीटीबीनगर,
दिल्ली।
दिनांक-२४ अप्रैल, २०२०
आदरणीय कैलाश मिश्राजी,
नमस्कार,

कल मुझे डाक से एक पार्सल मिला। पार्सल खोलने पर मुझे यह देखकर अत्यन्त आश्चर्य हुआ साथ ही प्रसन्नता भी हुई कि उस में मेरी खोई हुई वही पुस्तक मौजूद थी, जिसके लिए मैं काफी परेशान था। पहले तो मैं विश्वास ही नहीं कर पाया कि वर्तमान युग में भी कोई व्यक्ति इतना भला हो सकता हैं, जो डाक-व्यय स्वयं देकर दूसरों की खोई वस्तु लौटाने का कष्ट करे। मैं आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। यह पुस्तक बाजार में आसानी से उपलब्ध नहीं होती तथा मेरे लिए यह एक अमूल्य वस्तु हैं। आपने पुस्तक लौटाकर मुझ पर बहुत बड़ा उपकार किया हैं। इसके लिए मैं हमेशा आपका आभारी रहूँगा।

एक बार पुनः मैं आपको धन्यवाद करता हूँ।

आपका शुभाकांक्षी,
इन्द्रमोहन

गतिविधि- कविता में दिए गए चाँद और लड़की का चित्र बनाए।